



Mr.m

16 Nov 1960

11:57 PM

Nawashahr

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119753402

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 16/11/1960 : _____ जन्म तिथि _____ : 17/11/2025
 बुधवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 23:57:00 : _____ जन्म समय _____ : 15:49:35 घंटे
 घटी 42:39:10 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 22:17:57 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Nawashahr : _____ स्थान _____ : Nawashahr
 उत्तर 31:06:00 : _____ अक्षांश _____ : 31:06:00 उत्तर
 पूर्व 76:09:00 : _____ रेखांश _____ : 76:09:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:25:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:25:24 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:53:20 : _____ सूर्योदय _____ : 06:54:24
 17:26:53 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:26:19
 23:18:31 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:10
 सिंह : _____ लग्न _____ : मेष
 सूर्य : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 तुला : _____ राशि _____ : तुला
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
 चित्रा : _____ नक्षत्र _____ : चित्रा
 मंगल : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : मंगल
 3 : _____ चरण _____ : 3
 आयुष्मान : _____ योग _____ : आयुष्मान
 वणिज : _____ करण _____ : गर
 रा-राकेश : _____ जन्म नामाक्षर _____ : रा-राखी
 वृश्चिक : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृश्चिक
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 व्याघ्र : _____ योनि _____ : व्याघ्र
 राक्षस : _____ गण _____ : राक्षस
 मध्य : _____ नाडी _____ : मध्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : मृग
 65 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 66



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मघा	1	01:19:34	सिंह			लग्न			मेष	01:30:16	1	अश्विनी
विशाखा	4	01:06:03	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	01:06:03	4	विशाखा
चित्रा	3	01:50:16	तुला			चंद्र			तुला	00:07:20	3	चित्रा
पुनर्वसु	2	25:14:19	मिथु			मंगल			अ वृश्चि	15:05:41	4	अनुराधा
स्वाति	3	14:42:14	तुला व			बुध व			अ वृश्चि	07:57:16	2	अनुराधा
मूल	4	10:45:25	धनु			गुरु व			कर्क	00:52:41	4	पुनर्वसु
मूल	3	08:22:51	धनु			शुक्र			तुला	18:55:42	4	स्वाति
पूर्वाषाढा	3	21:27:42	धनु			शनि व			मीन	01:02:27	4	पूर्वाभाद्रपद
पूर्वाफाल्गुनी	2	19:33:07	सिंह व			राहु व			कुंभ	21:45:18	1	पूर्वाभाद्रपद
शतभिषा	4	19:33:07	कुंभ व			केतु व			सिंह	21:45:18	3	पूर्वाफाल्गुनी
मघा	1	02:24:00	सिंह			मु			मक	01:19:34	2	उत्तराषाढा

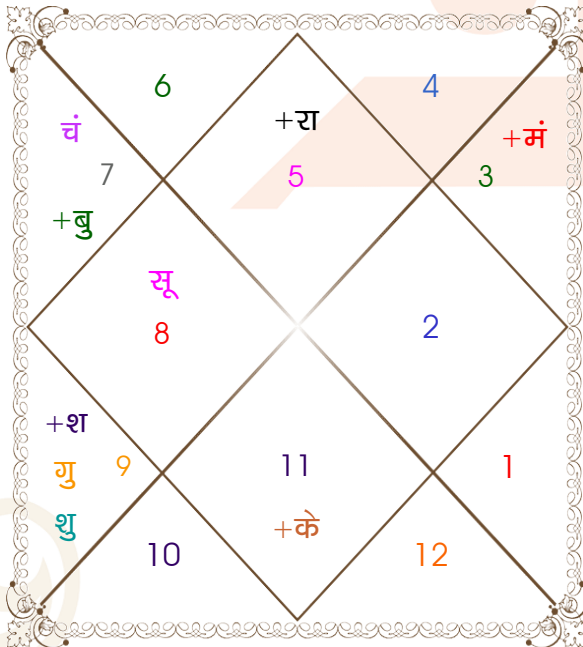
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

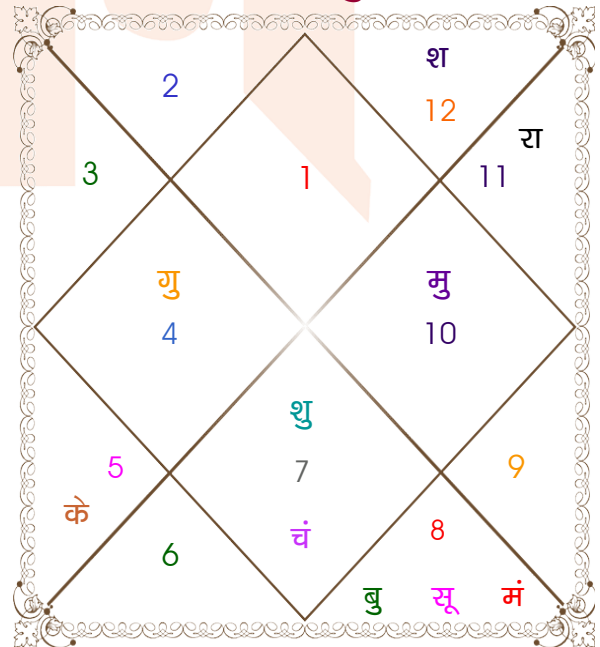
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - मंगल - सूर्य 09/10/2025 18:33 27/10/2025 21:12	बुध - मंगल - चंद्र 27/10/2025 21:12 27/11/2025 01:36	बुध - राहु - राहु 27/11/2025 01:36 15/04/2026 18:36	बुध - राहु - गुरु 15/04/2026 18:36 17/08/2026 23:03
सूर्य 10/10/2025 16:17 चंद्र 12/10/2025 04:30 मंगल 13/10/2025 05:51 राहु 15/10/2025 23:03 गुरु 18/10/2025 09:00 शनि 21/10/2025 05:49 बुध 23/10/2025 19:24 केतु 24/10/2025 20:45 शुक्र 27/10/2025 21:12	चंद्र 30/10/2025 09:34 मंगल 01/11/2025 03:49 राहु 05/11/2025 16:29 गुरु 09/11/2025 17:04 शनि 14/11/2025 11:46 बुध 18/11/2025 18:24 केतु 20/11/2025 12:39 शुक्र 25/11/2025 13:23 सूर्य 27/11/2025 01:36	राहु 18/12/2025 00:33 गुरु 05/01/2026 15:37 शनि 27/01/2026 18:31 बुध 16/02/2026 13:31 केतु 24/02/2026 17:07 शुक्र 19/03/2026 23:57 सूर्य 26/03/2026 23:36 चंद्र 07/04/2026 15:01 मंगल 15/04/2026 18:36	गुरु 02/05/2026 08:00 शनि 21/05/2026 23:54 बुध 08/06/2026 14:08 केतु 15/06/2026 19:59 शुक्र 06/07/2026 12:44 सूर्य 12/07/2026 17:45 चंद्र 23/07/2026 02:07 मंगल 30/07/2026 07:59 राहु 17/08/2026 23:03
बुध - राहु - शनि 17/08/2026 23:03 12/01/2027 10:19	बुध - राहु - बुध 12/01/2027 10:19 24/05/2027 09:02	बुध - राहु - केतु 24/05/2027 09:02 17/07/2027 16:59	बुध - राहु - शुक्र 17/07/2027 16:59 19/12/2027 22:32
शनि 10/09/2026 07:26 बुध 01/10/2026 04:49 केतु 09/10/2026 19:17 शुक्र 03/11/2026 09:10 सूर्य 10/11/2026 18:07 चंद्र 23/11/2026 01:04 मंगल 01/12/2026 15:31 राहु 23/12/2026 18:25 गुरु 12/01/2027 10:19	बुध 31/01/2027 02:56 केतु 07/02/2027 19:40 शुक्र 01/03/2027 19:27 सूर्य 08/03/2027 09:47 चंद्र 19/03/2027 09:40 मंगल 27/03/2027 02:24 राहु 15/04/2027 21:24 गुरु 03/05/2027 11:38 शनि 24/05/2027 09:02	केतु 27/05/2027 13:06 शुक्र 05/06/2027 14:25 सूर्य 08/06/2027 07:37 चंद्र 12/06/2027 20:17 मंगल 16/06/2027 00:21 राहु 24/06/2027 03:56 गुरु 01/07/2027 09:48 शनि 10/07/2027 00:15 बुध 17/07/2027 16:59	शुक्र 12/08/2027 13:54 सूर्य 20/08/2027 08:11 चंद्र 02/09/2027 06:38 मंगल 11/09/2027 07:58 राहु 04/10/2027 14:48 गुरु 25/10/2027 07:32 शनि 18/11/2027 21:25 बुध 10/12/2027 21:12 केतु 19/12/2027 22:32
बुध - राहु - सूर्य 19/12/2027 22:32 04/02/2028 12:11	बुध - राहु - चंद्र 04/02/2028 12:11 22/04/2028 02:58	बुध - राहु - मंगल 22/04/2028 02:58 15/06/2028 10:54	बुध - गुरु - गुरु 15/06/2028 10:54 03/10/2028 20:11
सूर्य 22/12/2027 06:25 चंद्र 26/12/2027 03:33 मंगल 28/12/2027 20:45 राहु 04/01/2028 20:24 गुरु 11/01/2028 01:25 शनि 18/01/2028 10:23 बुध 25/01/2028 00:43 केतु 27/01/2028 17:55 शुक्र 04/02/2028 12:11	चंद्र 10/02/2028 23:25 मंगल 15/02/2028 12:05 राहु 27/02/2028 03:30 गुरु 08/03/2028 11:52 शनि 20/03/2028 18:49 बुध 31/03/2028 18:42 केतु 05/04/2028 07:22 शुक्र 18/04/2028 05:50 सूर्य 22/04/2028 02:58	मंगल 25/04/2028 07:02 राहु 03/05/2028 10:37 गुरु 10/05/2028 16:29 शनि 19/05/2028 06:56 बुध 26/05/2028 23:40 केतु 30/05/2028 03:43 शुक्र 08/06/2028 05:03 सूर्य 10/06/2028 22:15 चंद्र 15/06/2028 10:54	गुरु 30/06/2028 04:09 शनि 17/07/2028 15:37 बुध 02/08/2028 06:56 केतु 08/08/2028 17:28 शुक्र 27/08/2028 03:01 सूर्य 01/09/2028 15:29 चंद्र 10/09/2028 20:15 मंगल 17/09/2028 06:48 राहु 03/10/2028 20:11

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरुष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते हैं। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यों से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

- * - * - * - * - * - * - * - * - * -

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मों को करने में भी आप तत्पर रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राह्मणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबंधी योजनाएं बनाएं या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे साथ ही आपके रुके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।